समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

जिस देश की भारत ने मदद की, उसने पाकिस्तान की मदद के लिए ड्रोन भेजे ; 'सोनगर' के बारे मे जाने.

Publisher

Published on 10 May 2025

पाकिस्तान भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे भारतीय राज्यों मे ड्रोन हमले कर रहा है। इन ड्रोनों के बारे मे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

पिछले कुछ दिनों से भारत और पाकिस्तान के बीच तीव्र संघर्ष चल रहा है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, का बदला लेने के लिए भारतीय रक्षा बलों ने 7 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत की सीमा से लगे भारतीय राज्यों के शहरों पर ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। बेशक, हालांकि कोई भी हमला सफल नहीं हुआ है, लेकिन पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन उसे उसके सहयोगी तुर्की द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। आइये देखें कैसे हैं ये ड्रोन...

आखिर ये ड्रोन क्या हैं ? इसे किसने बनाया ?
पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन 'सोंगर ड्रोन' हैं, जिन्हें 2019 में तुर्की की रक्षा कंपनी 'असिसगार्ड' द्वारा निर्मित किया गया था और ये पूरी तरह से तुर्की निर्मित ड्रोन थे जिन्हें 2020 में सेवा में लगाया गया था। तुर्की की रक्षा कंपनी ASISGUARD द्वारा विकसित, SONGAR तुर्की सशस्त्र बलों (TAF) की सूची में शामिल होने वाला पहला राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित सशस्त्र ड्रोन बन गया।

उत्कृष्ट प्रहार शक्ति
इसे तुर्की के रक्षा इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना गया। सोंगर ने सफलतापूर्वक मानवरहित, दूर से नियंत्रित ड्रोन को

रक्षा शस्त्रागार में शामिल किया। इन ड्रोनों ने जमीनी बलों की परिचालन क्षमताओं में वृद्धि की है। इन ड्रोनों को सैन्य इकाई में 4×4 वाहनों से जोड़ा जा सकता है। इसलिए, यह एकीकरण वाहन को उत्कृष्ट मारक शक्ति प्रदान करता है। यह सुरक्षा कार्यों के दौरान खतरों का स्वायत्त रूप से पता लगाने और उन्हें नष्ट करने की क्षमता भी प्रदान करता है।

'सोनगर ड्रोन' की खास बात क्या है ?
'सोंगर ड्रोन' की रोटर-टू-रोटर चौड़ाई 140 सेमी है और यह अधिकतम 45 किलोग्राम वजन उठा सकता है। बिना किसी पेलोड के यह 35 मिनट तक काम करने में सक्षम है। इसे पोर्टेबल मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) के रूप में डिजाइन किया गया है, यह वास्तविक समय वीडियो प्रसारित करता है। यह 5 किलोमीटर के परिचालन दायरे में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। यह ड्रोन समुद्र तल से औसतन 3,000 मीटर और जमीन से 300 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम है।

ड्रोन में कई उन्नत विशेषताएं हैं
'सोंगर ड्रोन' की परिचालन सीमा 10 किलोमीटर है और यह वास्तविक समय पर चित्र प्रेषित करता है। ताकि इसका उपयोग विभिन्न महत्वपूर्ण मिशनों के लिए किया जा सके। इसमें लक्ष्य क्षेत्र की निगरानी, खतरे की टोह लेना, मिशन के बाद होने वाले नुकसान का आकलन करना, तथा एकल या एकाधिक ड्रोनों का उपयोग करके समन्वित हमले करना जैसी विशेषताएं शामिल हैं। यह घात लगाकर हमला करने या संभावित खतरों के विरुद्ध हवा से भारी मारक क्षमता प्रदान करने के लिए उपयोगी है। 'सोंगर ड्रोन' आवश्यकता पड़ने पर अधिक गति से भी काम कर सकता है, तथा आक्रामक भूमिका निभा सकता है।

भारत सबसे पहले बचाव के लिए आगे आया।
जब 2023 में तुर्की में विनाशकारी भूकंप आया तो भारत सहायता प्रदान करने वाला पहला देश था। भारत ने ऑपरेशन दोस्त के तहत एनडीआरएफ कर्मियों के साथ तुर्की के अंकारा शहर में राहत सामग्री भेजी थी। भारत ने ढही इमारतों और शहरों के मलबे का सर्वेक्षण करने में मदद के लिए तुर्की को गरुड़ एयरोस्पेस ड्रोन भी भेजे हैं। हालाँकि, अब यह देखा जा रहा है कि तुर्की ने इस मदद के बारे में जाने बिना ही पाकिस्तान की मदद की है। इसलिए, अब कई भारतीय सोशल मीडिया पर तुर्की को इस सहायता की याद दिलाते हुए और भारत से तुर्की को आगे कोई सहायता न देने की मांग करते हुए देखे जा रहे हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.